MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Shri Derek O'Brien: Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Jose K. Mani (Kerala), Ms. Dola Sen (West Bengal), Shri Mohammed Nadimul Haque (West Bengal), Shrimati Sagarika Ghose (West Bengal), Shri Ritabrata Banerjee (West Bengal), Shri Manoj Kumar Jha (Bihar), Shri Prakash Chik Baraik (West Bengal), Dr. John Brittas (Kerala), Shrimati Mausam B. Noor (West Bengal), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Shri Anil Kumar Yadav Mandadi (Telangana), Shri Shri Haris Beeran (Kerala) Beeran (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri Khiru Mahto (Bihar), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu) and Shri A.A. Rahim (Kerala).

Shrimati Dharmshila Gupta -- Demand to start train services of Rajdhani Express from Darbhanga to Delhi.

Demand to start train services of Rajdhani Express from Darbhanga to Delhi

श्रीमती धर्मशीला गुप्ता (बिहार) : माननीय उपसभापति महोदय, आपका आभार कि आपने मुझे मेरे क्षेत्र के अति महत्वपूर्ण लोकहित के इस मुद्दे को संसद पटल पर प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान की है।

माननीय उपसभापति महोदय, मेरे बिहार राज्य का दरभंगा उन रेलवे स्टेशनों में शामिल है, जो कि 'अमृत भारत योजना' के अंतर्गत आते हैं। मैं माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद करती हूं, जिनके दिशा निर्देशन में दरभंगा जंक्शन को 340 करोड़ रुपए की सौगात देकर उस स्टेशन का पूर्ण रूप से कायाकल्प करके विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन बनने की ओर अग्रसर किया गया है।

महोदय, इस सदन के माध्यम से माननीय रेल मंत्री जी से मेरा आग्रह है कि दरभंगा, जिसे 'मिथिला की सांस्कृतिक राजधानी' कहा जाता है और जो पटना के बाद राज्य का दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है, वहां सारी मूलभूत सुविधाएं, जैसे - हवाई अड्डा और अब बिहार के दूसरे एम्स के निर्माण का कार्य भी माननीय प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में अग्रसर है। दरभंगा में मखाना सहित अन्य कई कारोबार भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए जाते हैं। ऐसे में दरभंगा से दिल्ली के लिए राजधानी या वंदे भारत जैसी सुपरफास्ट ट्रेन चलाने की कृपा की जाए, जिससे कि यहां के स्थानीय निवासियों को व्यापार या इलाज हेतु आने-जाने में सुगमता हो।

माननीय उपसभापति महोदय, इसके अतिरिक्त दरभंगा से गुवाहाटी के लिए एक भी ट्रेन नहीं चलाई जाती है। दिल्ली से वाया समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर गुवाहाटी जाने वाली डिब्रूगढ़ राजधानी ट्रेन (संख्या 20504) सप्ताह में 5 दिन चलती है। मेरा अनुरोध है कि आदरणीय रेल मंत्री जी इस ट्रेन को सप्ताह में दो दिन के लिए वाया समस्तीपुर-दरभंगा चलाने की कृपा करें, जिससे

यहां के स्थानीय निवासियों के समय की बचत होने के साथ-साथ उनकी परेशानी भी कम हो सके, धन्यवाद।

Demand to counter hostile Drone activity on the India-Pakistan Border

श्री संदीप कुमार पाठक (पंजाब) : सर, मैं आपके माध्यम से सदन में एक महत्वपूर्ण विषय को रखना चाहता हूँ, जिसका सीधा संबंध राष्ट्रीय सुरक्षा और बॉर्डर एरिया में रहने वाले जो जनमानस हैं, उनके जनजीवन से संबंधित है। सर, पंजाब का लगभग साढ़े पाँच सौ किलोमीटर जो बॉर्डर है, वह सीधे पाकिस्तान से लगता है। ड्रोन का जो intrusion है, वह पिछले कई सालों में लगातार बढ़ता जा रहा है। 2020 में लगभग 50 ड्रोन्स देखे गए थे, उसके बाद हर साल यह 50 और 100 करते-करते पिछले साल लगभग 300-350 के आसपास ड्रोन्स देखे गए थे। इसमें सबसे चिंताजनक बात यह है कि number of drones, जिनको security forces के द्वारा neutralise किया जा रहा है, वह काफी कम है, just few percentage है। इसका मतलब majority of the drones बॉर्डर के इस तरफ इंडिया में लैंड करते हैं और फिर वापस fly back कर जा रहे हैं। अगर यह continue रहा, तो आपको तो पता है कि अब कोई भी देश आमने-सामने होकर लड़ाई नहीं करता है, बल्कि proxy war चलता है, इसलिए पाकिस्तान बॉर्डर बेल्ट पर ड्रोन को जो यूज़ कर रहा है, वह बहुत ही सीरियस है। मैं आपको बता दूँ कि पाकिस्तान mostly चीन और तुर्की से ड्रोन import कर रहा है। हमारे देश में anti-drone technology अभी advanced नहीं है। हमें उन्हें तुरंत acquire करना चाहिए। इसमें एक important चीज यह है कि हमें इसमें ट्रेनिंग को भी देखने की जरूरत है, क्योंकि जो first line of commission है, वह बीएसएफ की है और second line of control obviously State police की रहती है। क्या बीएसएफ properly equipped है in terms of training and technology also? सर, मैं ओवरऑल यही कहना चाहता हूँ कि not only national security, बल्कि जो लोग बॉर्डर में रह रहे हैं, उनके जीवन को आप इमेजिन कीजिए, बाकी बॉर्डर की समस्याएं तो हैं ही। ड्रोन से जो ड्रग्स इधर भेजा जाता है, वह इधर आता है, उसके बाद वह पूरे का पूरा गांव सील हो जाता है और वहां पर एक-एक घर को सर्च किया जाता है, obviously for safety and security reasons. जब तक आप इसके लिए zero tolerance या zero intrusion policy नहीं लाएँगे और यह practically possible है, तब तक यह समस्या खत्म नहीं होगी। हमारे पास जितनी भी conventional technologies हैं, वे high altitude technology की हैं। ड्रोन low altitude में फ्लाई करता है और low altitude में फ्लाई करने के कारण यहाँ पर टेक्नोलॉजी को अपग्रेड करना पड़ेगा। यह एक ऐसी चीज है, जिसको आप वन शॉट में एड्रेस कर सकते हैं और large number of equipments can be imported, लेकिन इस पर ध्यान देना पड़ेगा।

सर, मैं एक चीज और बता दूं कि पाकिस्तान या कोई भी देश इसको हाईलाइट नहीं करना चाहेगा। वह ड्रोन्स को सिर्फ strategic purpose के लिए यूज़ करेगा। वह बम नहीं गिराने वाला है, rarest of the rare cases में वह ऐसा करेगा, बाकी information को इधर भेजेगा, ड्रग्स भेजेगा, arms भेजेगा, ammunitions भेजेगा और terrorist activity के लिए यूज़ करेगा, ताकि सरकार की नजर में न आए और वह यह continue करे।